

JOEL OSTEEN

ZACZNIJ LEPIEJ  
ŻYĆ JUŻ DZIŚ

*7 SPOSOBÓW NA TO, ABY MÓC  
CIESZYĆ SIĘ PEŁNIĄ ŻYCIA*

tłumaczyła  
Joanna Golik-Skiłał



# Spis treści

---

|   |                           |     |
|---|---------------------------|-----|
| <b>W</b>                                      |                           | 7   |
|   | <b>• CZĘŚĆ PIERWSZA •</b> |     |
|   | <b>R S W</b>              |     |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Rozwiń swoją wyobraźnię                       |                           | 11  |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Podnieś poziom swoich oczekiwań               |                           | 22  |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Bóg ma Ci o wiele więcej do zaoferowania!     |                           | 30  |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Przełamywanie barier z przeszłości            |                           | 38  |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Rosnąć w łaskę                                |                           | 46  |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Żyj w nastawieniu na otrzymanie łask          |                           | 53  |
|   | <b>• CZĘŚĆ DRUGA •</b>    |     |
|   | <b>S</b>                  |     |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Za kogo się uważasz?                          |                           | 65  |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Zrozumieć swoją wartość                       |                           | 75  |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Stań się tym, w co wierzysz                   |                           | 82  |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Wypracuj w sobie mentalność człowieka sukcesu |                           | 93  |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Ciesz się tym, kim jesteś                     |                           | 102 |
|   | <b>• CZĘŚĆ TRZECIA •</b>  |     |
|   | <b>O S</b>                |     |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Wybierz właściwe myśli                        |                           | 113 |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Przeprogramuj swój „mentalny komputer”        |                           | 125 |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Siła Twoich słów                              |                           | 133 |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Używaj słów, które zmieniają życie            |                           | 139 |
| <b>R</b>                                      |                           |     |
| Obdarzać błogosławieństwem                    |                           | 146 |



• CZĘŚĆ CZWARTA •

**Z**

|   |  |     |
|---|--|-----|
| <b>R</b>  |  |     |
| Zapomnij o ranach i cierpieniu                  |  | 157 |
| <b>R</b>  |  |     |
| Nie pozwól goryczy zapuścić korzeni             |  | 167 |
| <b>R</b>  |  |     |
| Pozwól Bogu czynić sprawiedliwość w Twoim życiu |  | 178 |
| <b>R</b>  |  |     |
| Pokonać uczucie rozczarowania                   |  | 188 |

• CZĘŚĆ PIĄTA •

**Z**

|  |  |     |
|--|--|-----|
| <b>R</b>   |  |     |
| Podnieś się wewnętrznie                            |  | 201 |
| <b>R</b>   |  |     |
| Zaufaj Boskiemu wyczuciu czasu                     |  | 209 |
| <b>R</b>   |  |     |
| Cel prób i doświadczeń                             |  | 219 |
| <b>R</b>   |  |     |
| Zaufaj Bogu, kiedy życie wydaje się nie mieć sensu |  | 227 |

• CZĘŚĆ SZÓSTA •

,

|  |  |     |
|--|--|-----|
| <b>R</b>                               |  |     |
| Radość dawania                         |  | 235 |
| <b>R</b>                               |  |     |
| Okazuj dobroć Bożą i miłosierdzie      |  | 245 |
| <b>R</b>                               |  |     |
| Miej litościwe serce otwarte na oścież |  | 253 |
| <b>R</b>                               |  |     |
| Zaczynj od ziarna                      |  | 264 |
| <b>R</b>                               |  |     |
| Siej i bogać się                       |  | 272 |

• CZĘŚĆ SIÓDMA •

**Z**

,

|   |  |     |
|---|--|-----|
| <b>R</b>                                      |  |     |
| Szczęście jest wyborem                        |  | 283 |
| <b>R</b>                                      |  |     |
| Dąż do doskonałości i bądź człowiekiem prawym |  | 296 |
| <b>R</b>                                      |  |     |
| Żyj pełen entuzjazmu                          |  | 310 |
| <b>N</b>                                      |  | 321 |

